Published by Creative news express

अल्मोड़ा: कृषि शोध प्रणाली की क्षमता बढ़ायें: शर्मा, कृषि अनुसंधान संस्थान ने मनाया स्थापना दिवस

अल्मोड़ा। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का स्थापना दिवस संस्थान के अल्मोड़ा एवं हवालबाग प्रक्षेत्र स्थित सभागार तथा संस्थान के कृषि विज्ञान केन्द्रों में धूमधाम से मनाया गया। कोविड-19 को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में सामाजिक दूरी का पूरा ध्यान रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अल्मोड़ा स्थित संस्थान के कुंदन हाउस के पूजागृह में पूजा अर्चना से हुआ।

सर्वप्रथम प्रधान वैज्ञानिक डा. एस.सी. पाण्डेय द्वारा संस्थान के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डा. तिलक राज शर्मा ने संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए संस्थान द्वारा पर्वतीय कृषि के क्षेत्र में दिए जा रहे उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि कृषि शोध प्रणाली की क्षमता एवं कुशलता बढ़ाने हेतु मूलभूत परिवर्तनों तथा कृषि शोध में आधुनिक साधनों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समावेश की आवश्यकता है। संस्थान के निदेशक डा. लक्ष्मी कान्त ने संस्थान के संस्थापक प्रो. बोसी सेन को नमन करते हुए संस्थान की उपलब्धियों से अवगत कराया और कहा उत्कृष्ट कार्यों से संस्थान को कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। रामकृष्ण कुटीर अल्मोड़ा के अध्यक्ष स्वामी पूवेशानन्द ने स्वामी विवेकानन्द की वन्दना करते हुए वैज्ञानिक कृषि को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने संस्थान द्वारा विकसित नवीन प्रजातियों का लोकार्पण किया गया। संस्थान में कार्यरत वैज्ञानिक व दो अन्य कार्मिकों को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

Published by Hindustan

विवेकानंद संस्थान का स्थापना दिवस मनाया

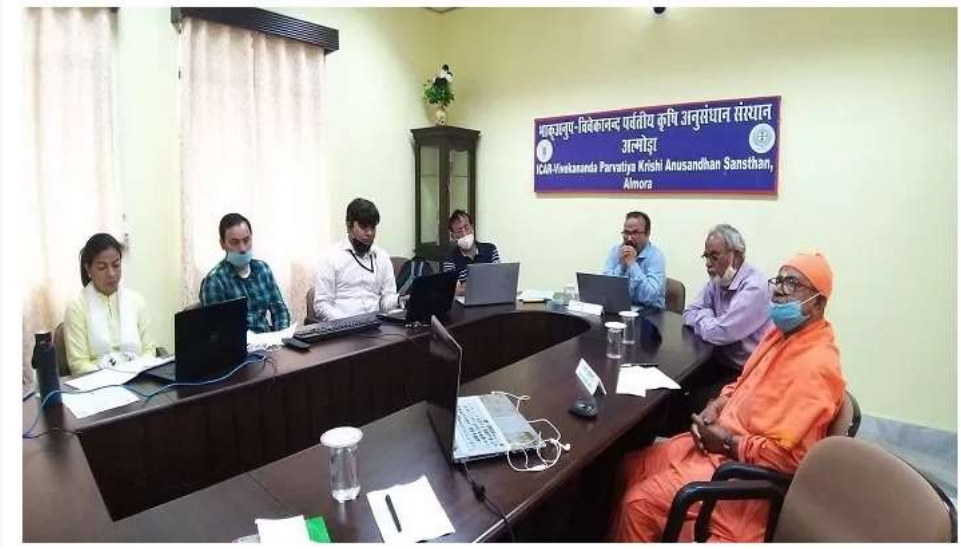

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का 97 वां स्थापना दिवस संस्थान के अल्मोड़ा व हवालबाग प्रक्षेत्र स्थित सभागार में मनाया गया। इस दौरान ऑनलाइन वैज्ञानिक इस समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ कुंदन हाउस स्थित पूजागृह में पूजा अर्चना से हुआ।

इस दौरान प्रधान वैज्ञानिक डा.एससी पांडे ने संस्थान के विषय में संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. तिलक राज शर्मा, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली रहे। उन्होंने वीसी के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। संस्थान द्वारा पर्वतीय कृषि के क्षेत्रा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सराहना व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने 'इंडिया नीड इनोवेशन इन एग्रीकल्चरल टू सस्टेन फूड एंड न्यूरीशिनल सिक्योरिटी विषय पर व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने कृषि शोध प्रणाली की क्षमता एवं कुशलता बढ़ाने के लिए मूलभूत परिवर्तनों तथा कृषि शोध में आधुनिक साधनों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समावेश की आवश्यकता पर बल दिया। संस्थान के निदेशक डा. लक्ष्मी कांत ने संस्थान के संस्थापक प्रो. बोसी सेन को नमन करते हुए विगत वर्ष में संस्थान द्वारा प्राप्त की गयी उपलब्धियों से अवगत कराया। इस मौके पर पूर्व निदेशक डा. जेपी. टंडन, डा.एचएस गुप्ता, डा.एके श्रीवास्तव, डा.जेसी भट्ट एवं डा. ए पट्टनायक,रामकृष्ण कुटीर अल्मोड़ा के अध्यक्ष स्वामी ध्रुवेशानंद ने स्वामी आदि मौजूद रहे।

विवेकानन्द संस्थान ने 97 वाँ स्थापना दिवस मनाया

अल्मोड़ा । भाकृअनुप-विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का 97वाँ स्थापना दिवस संस्थान के अल्मोड़ा एवं हवालबाग प्रक्षेत्र स्थित सभागार तथा संस्थान के कृषि विज्ञान केन्द्रों (काफलीगैर, बागेश्वर एवं चिन्यालीसौण, उत्तरकाशी) में कोविड- 19 के दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत सामाजिक दूरी बनाते हुए डिजिटल प्लेटफार्म पर धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुंदन हाउस स्थित पूजागृह में पूजा अर्चना से हुआ। सर्वप्रथम डा0 एस0सी0 पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा संस्थान के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. तिलक राज शर्मा, उपमहानिदेषक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली रहे। उन्होंने विडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस की बधाई दी तथा संस्थान द्वारा पर्वतीय कृषि के क्षेत्रा में उत्कृष्ट योगदान हेतु सराहना व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने कृषि शोध प्रणाली की क्षमता एवं कुषलता बढ़ाने हेतु मूलभूत परिवर्तनों तथा कृषि शोध में आधुनिक साधनों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समावेष की आवष्यकता पर बल दिया। संस्थान के निदेषक डा0 लक्ष्मी कान्त ने संस्थान के संस्थापक प्रो0 बोसी सेन को नमन करते हुए विगत वर्ष में संस्थान द्वारा प्राप्त की गयी उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष में संस्थान द्वारा विकसित 4 नयी प्रजातियाँ नामत: मक्का में वी.एल. स्वीटकार्न-2, मसूर की वी.एल. मसूर 148, भट्ट की वी.एल. भट्ट 202, दलहनी मटर की वी.एल. मटर 61 प्रजातियाँ अधिसूचित की गयी हैं। साथ ही विभिन्न फसलों की 09 नयी प्रजातियाँ जारी की गयी हैं। इनमें मंडुवा के सफेद दानों वाली वी.एल. मंडुवा 382, रामदाना की वी.एल. चुआ 110, क्यू.पी.एम. मक्का की वी.एल. क्यू.पी.एम हाइब्रिड 59 उल्लेखनीय हैं। इसके अलावा संस्थान में डबल्ड हैप्लाइड मक्का तथा लहसुन की बल्बिल द्वारा बल्ब उत्पादन पर शोध हो रहे हैं। विगत वर्ष में विकसित किए गए वी.एल. मक्का थ्रेषर के बारे में भी जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि संस्थान की प्रजातियाँ देष के 24 राज्यों तथा संस्थान द्वारा बनाये गये कृषि यंत्रा 16 राज्यों में फैल चुके हैं। विगत वर्षों में हेरीसीयम एवं लेंटीनुला मषरूम के उत्पादन की तकनीकी का मानकीकरण किया गया है।

News coverage by Newspaper “Veer Arjun” 5 July 2020